ipca
A dose of life

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

कक्षा - 12

भारतीय इतिहास के कुछ विषय

अध्याय - 10

विद्रोही और राज

भाग - 4

प्रीतेश जोशी

ipca
A dose of life

mg missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

अवध → लखनऊ

1801 - सहायक संधि



सेना

राज्य → प्रशासन

① दीवान → वाजिद अली शाह

② बाजार

③ कृषि

④ सामरिक

कुशासन

ipca
A dose of life

mg missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

अवध x नवाब → तालुकदार सत्ता छिन गई

कैसे ?

इनकी सेना से अंग्रेज

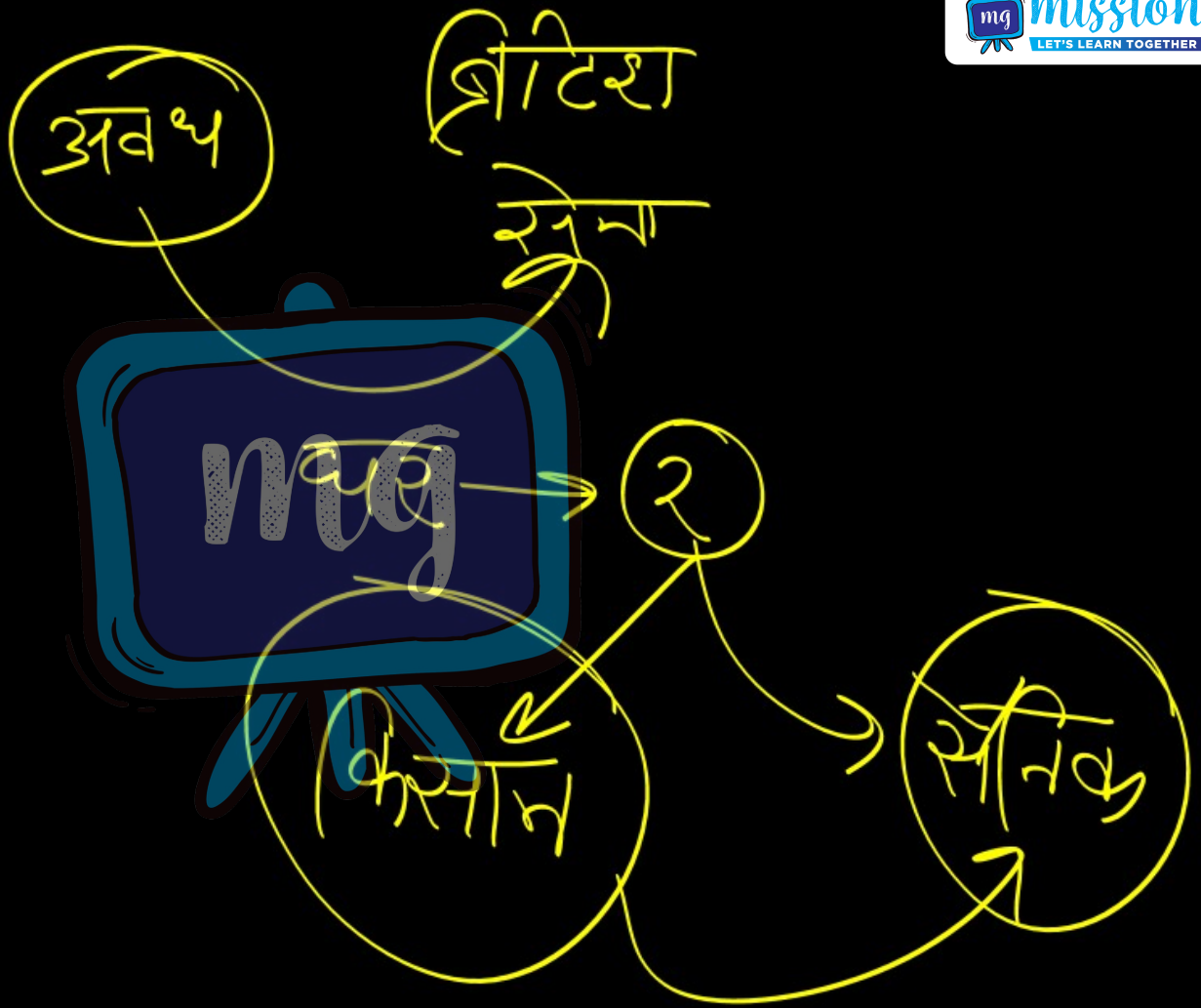
ब्रिटिश राजस्व नीति लागू

नतीजा → सामाजिक व्यवस्था भंग

किसान दुखी

फौजी बैरकों

(अवध से सबसे ज्यादा सैनिक)

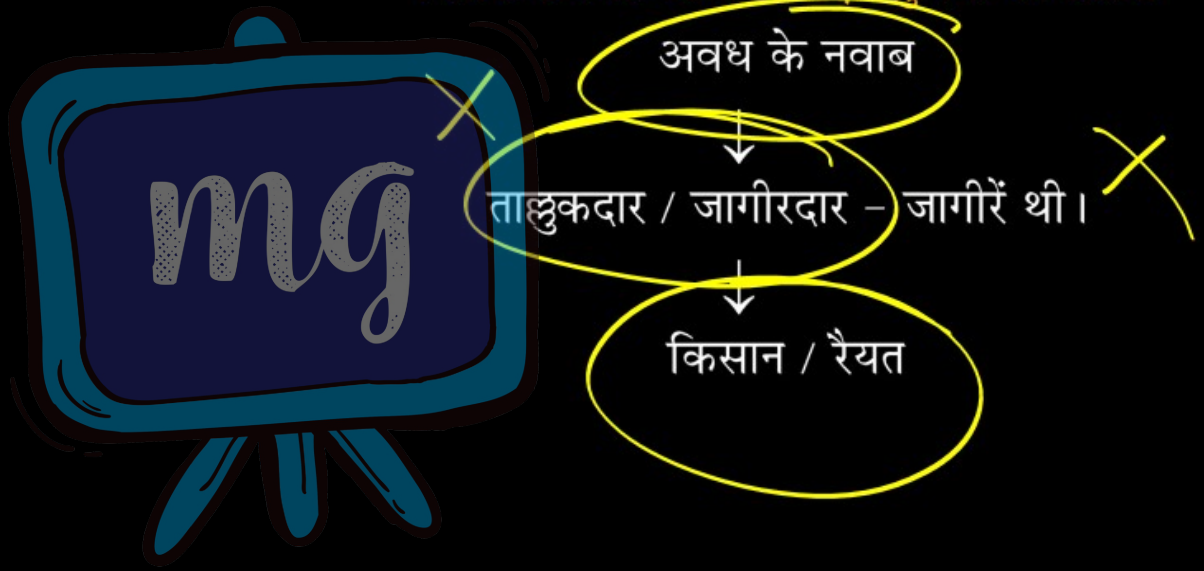

अवयव
घोटेश्वर
सेना
mg
2
किसान
सैनिक

सैनिक मे असंतोष

1. कम वेतन
2. वक्त पर छुट्टी नहीं मिलना
3. अंग्रेजी अफसरों मे श्रेष्ठता का भाव - नस्ल भेद
4. गाली गलौच
5. मार पीट

ipca
A dose of life

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



ipca
A dose of life

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- अंग्रेजों से पहले ताल्लुकदार ही जनता का उत्पीड़न करते थे लेकिन वे बुरे वक्त में किसानों की मदद भी करते थे।
- अंग्रेजों ने इस दुनिया का खत्मा कर दिया।
- ताल्लुकदारों की सत्ता को उखाड़ फेंका।

नई व्यवस्था : अब इस बात की कोई गारंटी नहीं थी कि कठिन वक्त में या फसल खराब हो जाने पर सरकार राजस्व की मांग में कोई कमी करेगी या वसूली को कुछ समय के लिए टाल दिया जायेगा।

ipca
A dose of life

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- अवध के ताल्लुकदारों और किसानों के मन में इस नई व्यवस्था के प्रति बहुत रोष था।
- इसलिए इन्होंने अंग्रेजों के खिलाफ विद्रोह में बहुत बढ़ चढ़ कर भाग लिया।
- बंगाल की ब्रिटिश भारतीय सेना में सर्वाधिक सैनिक अवध के ही थे।
- अवध को तो ''बंगाल आर्मी की पौधशाला'' कहा जाता था।

विद्रोही क्या चाहते थे?

1. एकता की कल्पना
   - हिन्दू + मुस्लिम
   - दोनों का नफा नुकसान बराबर है।
   - बहादुर शाह - प्रोषणा
   - मुहम्मद और मद्दातीर
   - नेतृत्व
   - अंग्रेजों की कोड़ोड़ा।

बरकरार



ipca
A dose of life

mg missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

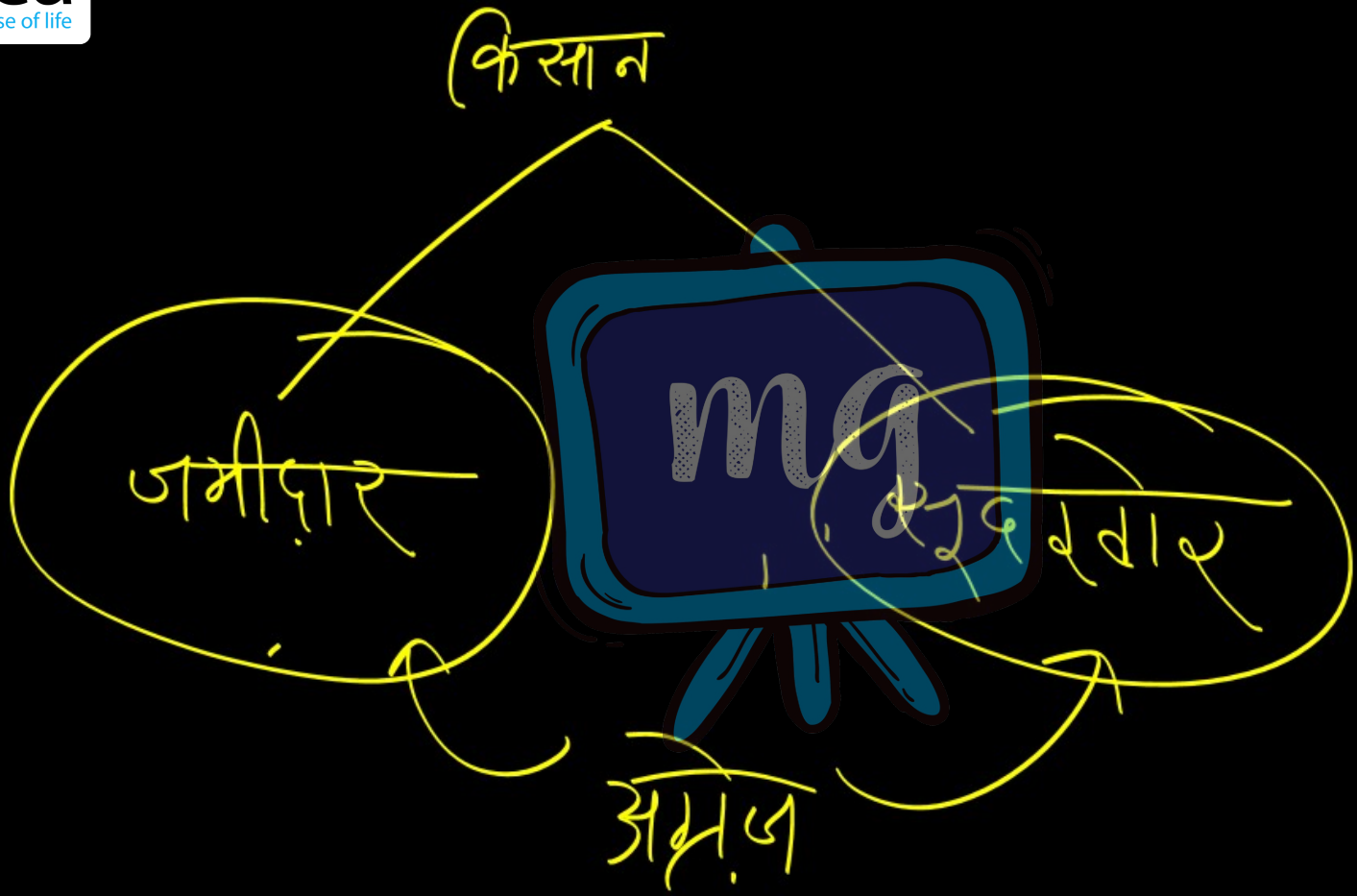
2. उत्पीडन के प्रतीकों के खिलाफ

- समझौते और कर्जे की निंदा।
- भारतीय व्यापार को तबाह कर दिया
- जाति - धर्म को नष्ट करना चाहते हैं।

सूदखोरों के बही खाते जले दिये।

आत्म

धर्मांतरण।


किसान
जमींदार
दुकानदार
अमेज़न

ipca
A dose of life

mg missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

3. वैकल्पिक सत्ता की तलाश

- दिल्ली, लखनऊ, कानपुर = सत्ता स्थापित प्रयास

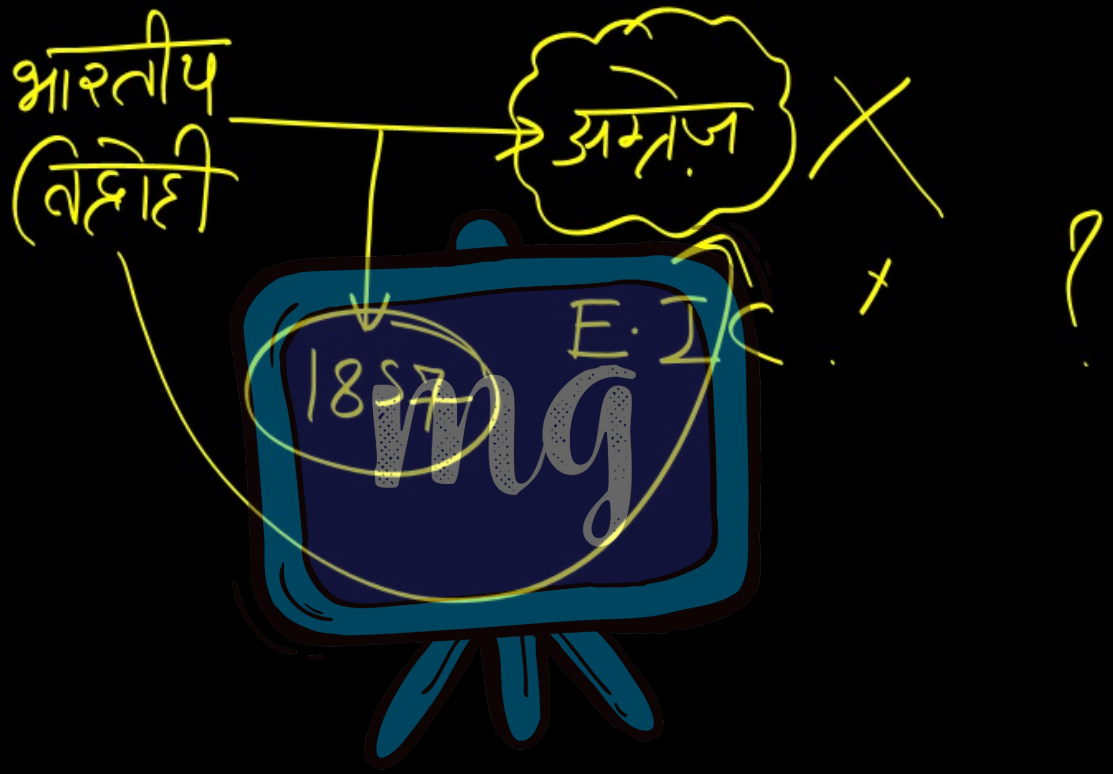
→ पुरानी दरबारी संस्कृति
→ भूराजस्व – वेतन की व्यवस्था
→ विभिन्न पदों पर नियुक्तियाँ
→ सेना की कमान ढांचा तय की गई।

राजकीय शासन

अवध में प्रतिरोध सबसे लंबे समय तक चला। → 2/3

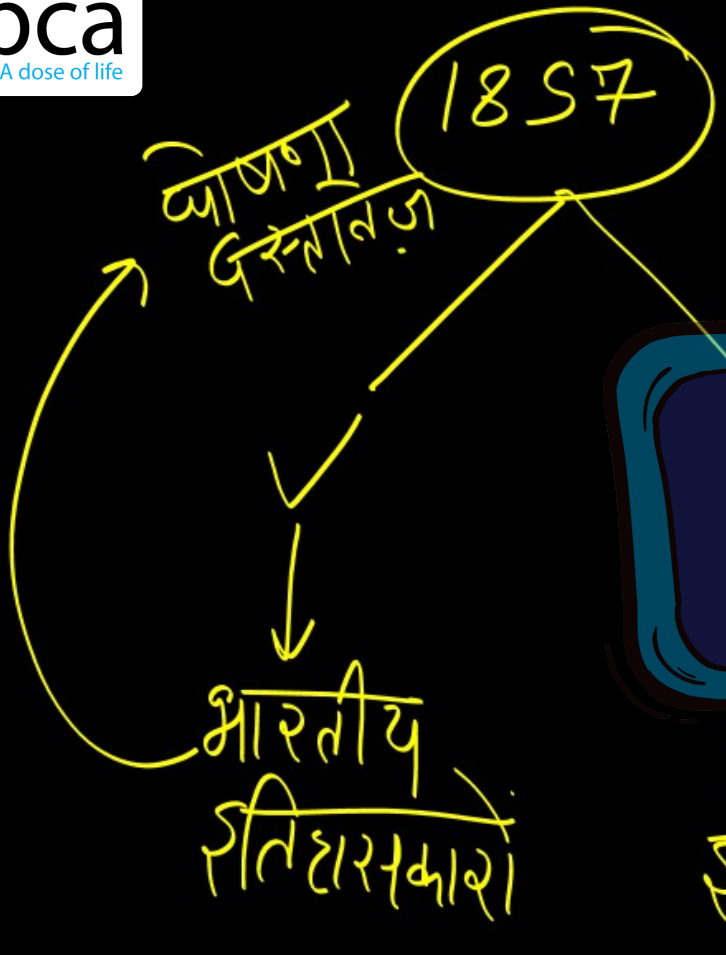
ipca
A dose of life

mg missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



ipca
A dose of life

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

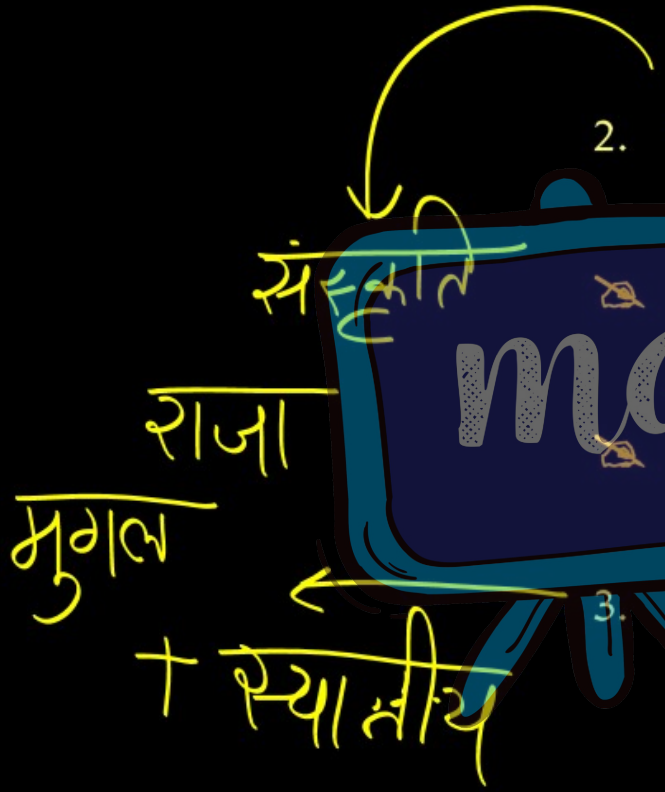


विद्रोही क्या चाहते थे?

- विद्रोहियों के नजरिये को समझने के लिए हमारे पास उनके द्वारा जारी घोषणाओं व इश्तहारों के सिवा कुछ ज्यादा चीजें नहीं है।
- इसलिए, मजबूरन हमें अंग्रेजों के दस्तावेजों पर निर्भर रहना पड़ता है।
- एकता की कल्पना : इस विद्रोह को एक ऐसे युद्ध के रूप में पेश किया जा रहा था जिसमें हिंदुओं और मुसलमानों, दोनों का नफा नुकसान बराबर है। हिन्दू और मुस्लमान दोनों को लड़ाई में शामिल होने के लिए आह्वान किया गया।

ipca
A dose of life

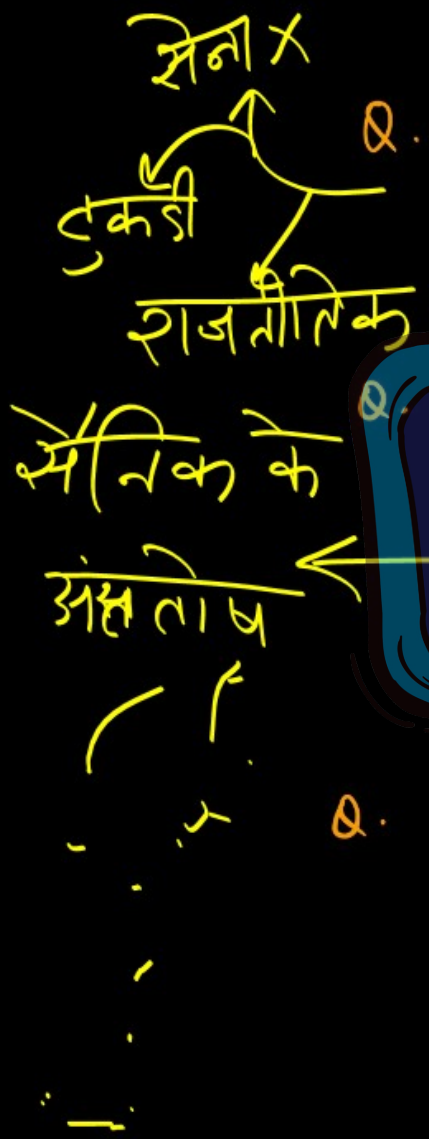
missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



2. उत्पीड़न के प्रतीकों के खिलाफ : ब्रिटिश राज से संबंधित हर चीज का विरोध किया जा रहा था।
   - फिरंगियों पर स्थापित और सुंदर जीवन शैली को नष्ट करने का आरोप लगाया जाता था।
   - विद्रोही अपनी उस दुनिया को दोबारा बहाल करना चाहते थे।
3. वैकल्पिक सत्ता की तलाश : विद्रोही नेता अठारहवीं सदी की पूर्व - ब्रिटिश दुनिया को पुनर्स्थापित करना चाहते थे।

ipca
A dose of life

mg missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



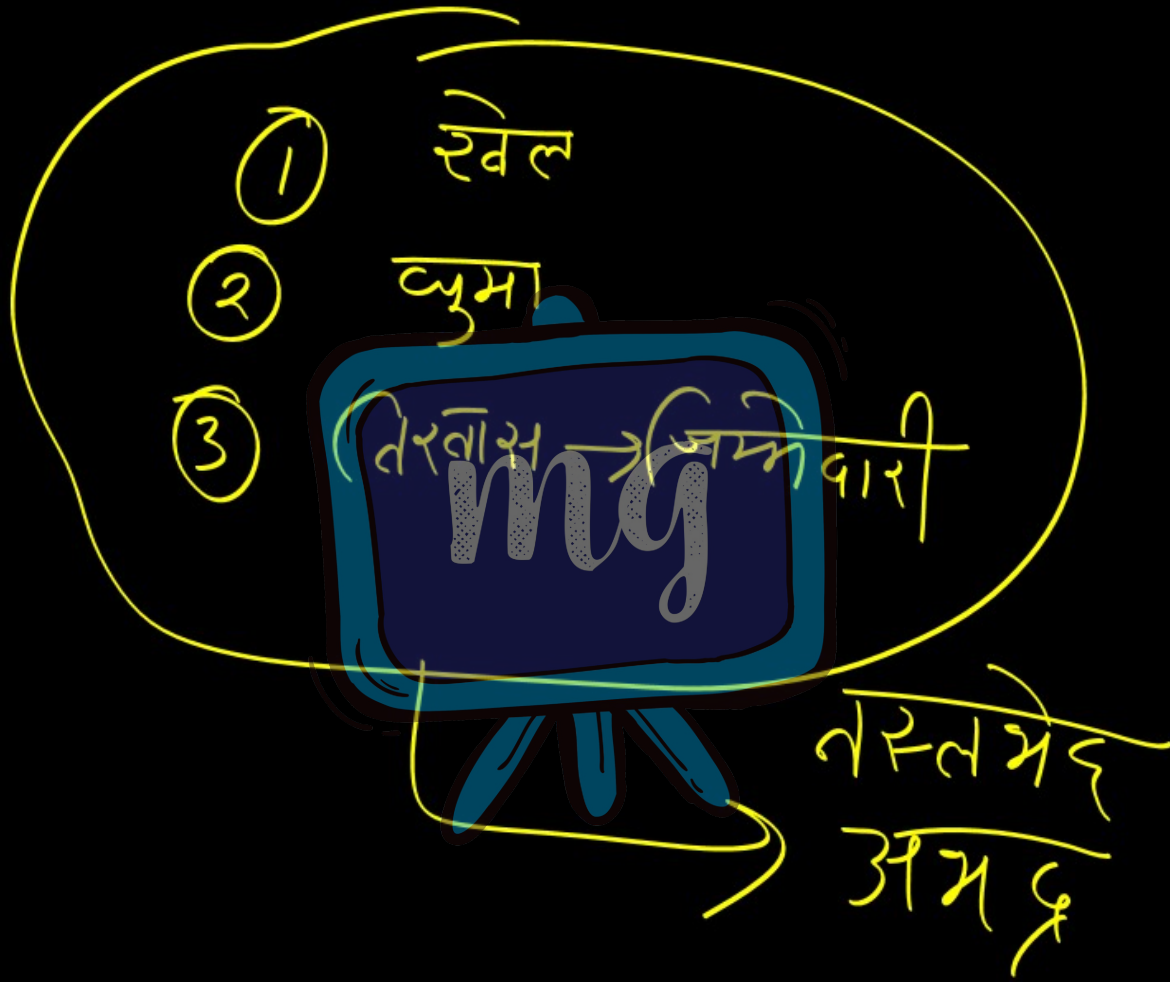
Q. अंग्रेजो द्वारा 1801 में अवध पर लगाए सहायक संधि के प्रावधानों की व्याख्या करें (2012)

Q. "1857 के विद्रोह से पहले के वर्षो में वरिष्ठ श्वेत अधिकारियों के साथ सिपाहियों के साथ संबंधों में महत्वपूर्ण परिवर्तन आये" उपरोक्त कथन का समर्थन करें। (2012)

Q. 1857 में विद्रोहियों ने एकता के अपने दृष्टिकोण को किस प्रकार साकार करने की कोशिश करी? (2010)

ipca
A dose of life

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



ipca
A dose of life

mg missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



Q. 1857 की अफवाहें 1820 के दशक के अंत से अंग्रेजो द्वारा अपनाई गई नीतियों के संदर्भ मे देखने पर समझ मे आने लगी?

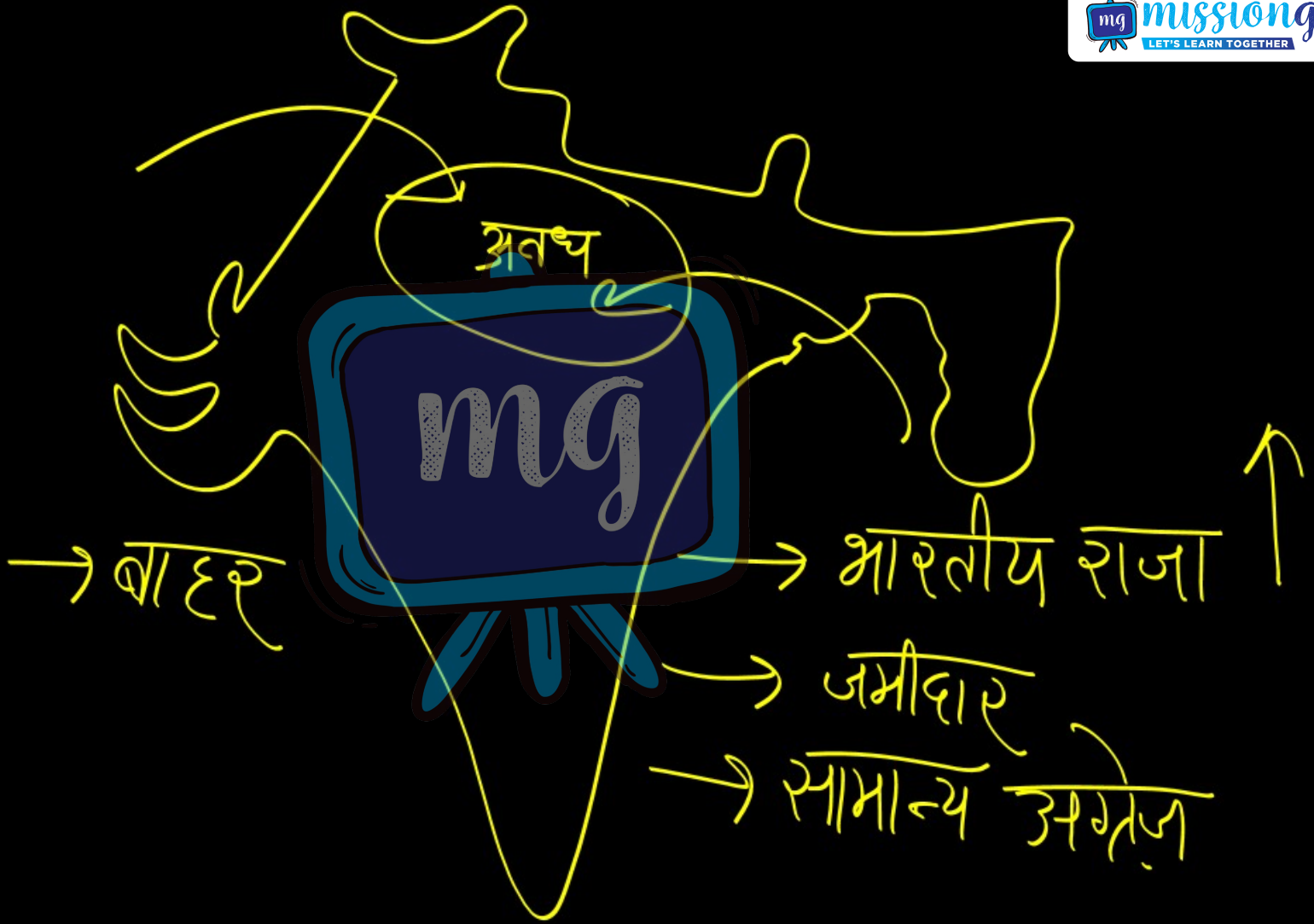
mg

अफवाह

→ विश्वास?

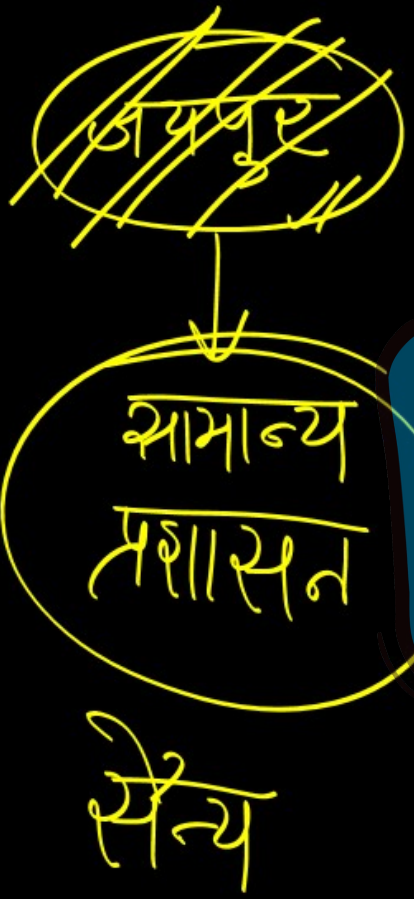
ipca
A dose of life

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



ipca
A dose of life

mg missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



दमन

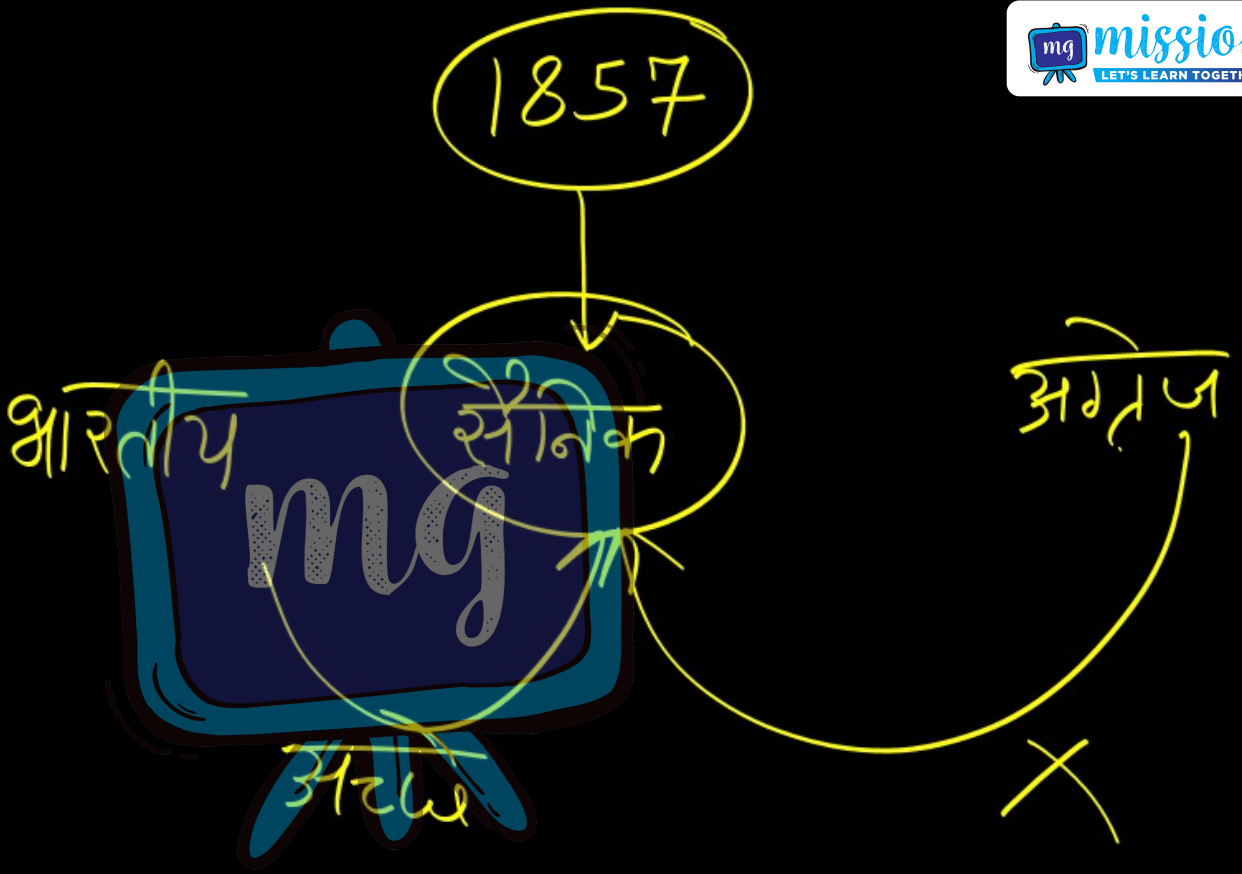
- इस विद्रोह को कुचलना अंग्रेजों के लिए आसान नहीं था।
- ब्रिटेन से सैनिक टुकड़ियां मंगवाई गयी।
- विद्रोह का दमन करने के लिए अंग्रेजों ने सैनिक ताकत का भयानक पैमाने पर इस्तेमाल किया।
- समूचे उत्तर भारत में मार्शल लॉ लागू कर दिया गया।
- कानून और मुकदमों की सामान्य प्रक्रिया रद्द कर दी गयी थी – विद्रोही की केवल एक ही सजा हो सकती थी। सजा – ए–मौत।
- सितम्बर 1857 में दिल्ली पर अंग्रेजों ने वापस कब्जा जमा लिया।

ipca
A dose of life

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

Q. अंग्रेज़ों ने 1857 के विद्रोह का दमन किस प्रकार किया ?




1857
भारतीय सैनिक
अंग्रेज
अंग्रेज
X

विद्रोह की छवियां

- विद्रोह की छवि क्या थी, इस बारे में जानने के लिए हमारे पास बहुत कम दस्तावेज मौजूद हैं। केवल विद्रोहियों की कुछ घोषणाऐं, अधिसूचनाऐं तथा नेताओं के कुछ पत्र हैं।
- इस बारे में सरकारी ब्यौरो की कमी नहीं है, लेकिन ये औपनिवेशिक सरकार द्वारा लिखे गये ब्यौरे हैं।
- इस विद्रोह के बारे में कई चित्र, पोस्टर, कार्टून उपलब्ध हैं।

ipca
A dose of life

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

1. रक्षकों का अभिनंदन : अंग्रेजों द्वारा बनायी गयी कुछ तस्वीरें में अंग्रेजों को बचाने और विद्रोहियों को कुचलने वाले अंग्रेज नायकों का गुणगान किया गया है।



"द रिलीफ़ ऑफ़ लखनऊ" चित्रकार टॉमस जोन्स बार्कर, 1859

ipca
A dose of life

mg missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- चित्र में लखनऊ में विद्राहियों के दमन के बाद का दृश्य दिखाया गया है।
- लखनऊ का असिस्टेंट हेनरी लॉरेंस मारा गया।
- दमन – सितम्बर में आउट्रम और हेनरी हेवलॉक।
- कमाण्डर कॉलिन कैम्पबेल।